

BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

Personal Details

Author Name	Vishuddha Chaitanya
Father Name	Swami Dhyan Chaitanyanand
Date of Birth	1971-02-22
Contact No	9939514902
Alternate contact no.	8987719093
e-mail ID	socialsites@outlook.in
Nominee Name	
Correspondence Address :	Leela Mandir Ashram, House No. 1, Dumka Raod, Kabilaspur
Landmark	Near Railway Flyover
City	Deoghar
State	Jharkhand
Pin Code	814157
Country	India

BANK DETAILS

Account holder's name	Vishuddha Chaitanya
Account No.	33672975966
Bank Name	SBI

Branch	Maheshmara
IFSC Code	SBIN0009769
Pan No.	BIFPC0849D

Book Details

Book Title	वशिद्ध चतिन - सांप्रदायकिता नही है ईश्वरीय धर्म
How would you like your name to appear on book?	स्वामी वशिद्ध चैतन्य
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Others
Number of images (If any)	35
Manuscript Status	Completed
Book Size	6"x9"

Cover details

Synopsis

यह पुस्तक लेखक द्वारा ब्लॉगसाइट व सोशल मीडिया पर समसामयिकी वषियों पर लखि गए लेखों के संकलन शृंखला की पहली कड़ी है।

पुस्तक का नाम कुछ इस प्रकार होगा:

भाग-1

यह स्थायी रूप से ऊपर बायीं ओर रहेगा पुस्तक के सभी वॉल्यूम पर।

फरि पुस्तक का शीर्षक होगा जो कबिड़े अक्षरों में होगा और शीर्षक के नीचे लेखक का नाम होगा।

Blurb

यह पुस्तक लेखक द्वारा ब्लॉगसाइट व सोशल मीडिया पर समसामयिकी वषियों पर लखे गए लेखों के संकलन शृंखला की पहली कड़ी है।

ब्लॉगसाइट और सोशल मीडिया के पाठकों के नरितर अनुरोध पर अपने लेखों का संग्रह प्रकाशित करने का नरिणय लिया। इस पुस्तक के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहयोग भी मेरे नयिमति पाठक व शुभचिंतक ही कर रहे हैं। यदङिनका सहयोग न मलिता, तो पुस्तक प्रकाशित करवा मेरे लिए असम्भव था।

इस पुस्तक में आपको वभिन्न वषियों पर लखे गए मेरे लेख पढ़ने मलेंगे। सभी लेख मेरे व्यक्तितगत दर्शन पर आधारित हैं अतः मेरे लेखों को आप फ़िलॉसफी पर आधारित लेख कह सकते हैं।

लेखक का मूल उद्देश्य आपको कुछ सखिना या रटाना नहीं है, न ही उद्देश्य है इतहिास या कुछ भी समझाना। लेखक केवल यही चाहता है कपिरत्येक लेख व्यक्ती को चतिन-मनन के लिए प्रेरति करे, प्रश्न पुछने के लिए प्रेरति करे। लेखों को पढ़ने के बाद व्यक्ती अपनी पारम्परिक धारणाओं और मान्यताओं से मुक्त होकर अपनी मान्यताओं और धारणाओं पर पुनर्वचार करे।

उदाहरण के लिए धर्म, ईश्वर और सरकार को लेकर समाज आज भी असमंजस में है। आज तक ना तो ईश्वर समझ में आया कसिी के, ना धर्म समझ में आया, न सरकार ही समझ में आया। और भ्रम मे जी रहे हैं सभी और भ्रमवश ही ईशानन्दिा जैसे कानून बने क्यौंकि ईश्वर की समझ नहीं कसिी को।

आए दनि हम देखते हैं कधिर्म रक्षक सेनाएँ या दल बनते चले जाते हैं। जबकाऐसे दलों, संगठनों को न धर्म का कोई ज्ञान होता है, न ईश्वर का कोई ज्ञान होता है। इन्हें लगता है कगिुंडों, मवालयिों का गरिह खड़ा करके धर्म की रक्षा कर लेंगे। और होता यह है कधिर्म की रक्षा तो हो नहीं पाती, उल्टे कई नरिदोष इनके आतंक, आगजनी, दंगों, और हत्याओं से हताहत हो जाते हैं, आतंक फ़ेल जाता है समाज में। और ये गरिह एक आतंकी संगठन के रूप में स्थापति हो जाते हैं।

लेखक का उद्देश्य है समाज को यह समझाना कऐसे आतंकी, दंगाई संगठनों को पनपने ही ना दे। ताकादेश साम्प्रदायकिता और आतंक मुक्त वातावरण में साँस ले सके।

Author Bio

I am a Sanyasi of Leela Mandir Ashram and Deciple of Thakur Dayanand Dev, but not a conventional Sanyasi. For me Sannyasa means to live life the way God wanted you to live, not the way others wanted you to live. Because we are not here to be Slave, we are here to live our own life and serve others willingly and happily."

For more than 20 years, I had been working with various organizations, production houses, Broadcast Media and commercial sound studios, both as a full time employee as well as free-lancer. This has enabled me to gain valuable audio restoration and optimization expertise including designing and installation of new studios. Besides, I have done lot of dubbing jobs for National Geography, History Channel, Hungama, Pogo, Doordarshan.

But now I have left that field and writing articles and short posts in blog and social media to awake the society and people for the Humanity, Social and the National cause.

Former State Spokes Person and Godda Loksabha Prabhari of '
Swabhimaan Party-Jharkhand'.